AMAR UJALA MY CITY PAGE 1 & 5

लविवि : शोध को स्थापित होंगे दो नए सेंटर

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में परास्नातक पाठ्यक्रम में बदलाव के बाद अगला कदम शोध को गति देना है। इसी कड़ी में विवि में दो नए सेंटर स्थापित किए जाएंगे। इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस मॉलेक्यूलर जेनेटिक्स और इंस्टीट्यूट ऑफ नैनो साइंस के नाम से स्थापित होने वाले इन संस्थान की बागडोर डीन के हाथ में होगी। साथ ही यहां एक-एक को-ऑर्डिनेटर की नियुक्ति भी की जाएगी।

इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस मॉलेक्यूलर जेनेटिक्स, इंस्टीट्यूट ऑफ नैनो साइंस संस्थान बनेंगे

विवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के अनुसार अभी तक यह विवि में परंपरागत पाठ्यक्रमों पर जोर दिया जाता रहा है। अब हमें प्रयास करके आधुनिक शिक्षा की ओर बढ़ना होगा। इसकी शुरुआत हम सेंटर कल्चर की स्थापना करके करेंगे। लविवि में इस समय जूलॉजी, केमिस्ट्री, फिजिक्स, स्टैट, बायोस्टैट और बायोटेक्नोलॉजी जैसे विषय पढ़ाये जाते हैं। इन विषयों को एक साथ जोड़कर सेंटर की स्थापना की जाएगी। सेंटर स्थापना का मकसद नए पाठ्यक्रमों के संचालन के साथ ही उन्नत शोध है। इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस मॉलेक्यूलर जेनेटिक्स और इंस्टीट्यूट ऑफ नैनो साइंस के माध्यम से शोध के कीर्तिमान रचने का मौका मिलेगा। इसके साथ ही विद्यार्थियों को कॅरियर की अच्छी संभावना वाले विषयों को पढ़ने का मौका भी मिलेगा।

▪ रिन्यूबल एनर्जी के रूप में फिलहाल एकमात्र सेंटर

लविवि में इस समय रिन्यूबल एनर्जी के रूप में एकमात्र सेंटर है। इस सेंटर में बीवोक रिन्यूबल एनर्जी पाठ्यक्रम संचालित हो रहा है। फिलहाल यह सेंटर लविवि के न्यू कैंपस में स्थित है, लेकिन समन्वय की दृष्टि से इसे पुराने परिसर में लाने का विचार किया जा रहा है। दो अन्य संस्थानों की स्थापना के बाद इनकी संख्या बढ़कर तीन हो जाएगी।

शोध के मामले में विज्ञान संकाय की स्थिति बेहतर

लविवि में अन्य संकायों के मुकाबले विज्ञान संकाय की स्थिति काफी बेहतर है। संकाय के शोध पत्र विश्व स्तर पर माने जाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में भी हर साल यहां से काफी शोधपत्र प्रकाशित होते हैं। इनका इंपैक्ट फैक्टर भी काफी अच्छा है। इसको देखते हुए लविवि कुलपति ने सबसे पहले विज्ञान संकाय में ही सेंटर स्थापित करने की शुरुआत की है।

“ लविवि में शोध को बढ़ावा देने के लिए सेंटर कल्चर शुरू करने की पहल की जा रही है। लविवि में एक सेंटर है। अब इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस मॉलेक्यूलर जेनेटिक्स और इंस्टीट्यूट ऑफ नैनो साइंस की स्थापना करने की योजना तैयार की गई है। इनके लिए आर्थिक संसाधन जुटाने का प्रयास हो रहा है। -**प्रो. आलोक कुमार राय**, कुलपति, लविवि

प्रमाणपत्र सत्यापित कराने लविवि पहुंचे उप मुख्यमंत्री

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। प्रदेश सरकार के निर्देश के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार से शिक्षकों के दस्तावेजों के सत्यापन का काम शुरू हो गया। विवि में सामान्य शिक्षकों के साथ ही उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा भी अपने दस्तावेज सत्यापित कराने के लिए पहुंचे, जिनका कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने स्वागत किया।

उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा अप्लाइड इकोनॉमिक्स विभाग के शिक्षक हैं, जिसकी वजह से वह भी अन्य शिक्षकों के साथ ही प्रमाण पत्रों की जांच कराने पहुंचे। पहले दिन वाणिज्य, ललित कला, विज्ञान और कला संकाय के शिक्षकों के प्रमाणपत्र जांचे गये। बृहस्पतिवार को बचे हुए संकाय के शिक्षकों के प्रमाणपत्र जांचे जाएंगे। शिक्षकों की आपत्ति कोरोना संक्रमण के समय सत्यापन कराने पर भी थी, लेकिन इस पर कोई सुनवाई नहीं हुई।

देर शाम तक चलता रहा सत्यापन

विवि में देर शाम तक प्रमाण पत्रों का सत्यापन चलता रहा। सुबह 11 बजे से शुरू हुआ सत्यापन कार्य रात साढ़े आठ बजे तक जारी था। इस दौरान सभी शिक्षकों को अपने शैक्षिक प्रमाण पत्रों की मूल प्रति के साथ ही तीन-तीन छायाप्रति तथा अन्य प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने थे।

i-NEXT PAGE II

एलयू में डिप्टी सीएम ने दस्तावेज की कराई जांच

LUCKNOW (29 July): डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा बुधवार को पहले ही दिन पत्नी डॉ. प्रो. जय लक्ष्मी शर्मा के साथ लखनऊ विश्वविद्यालय में अपने शैक्षिक दस्तावेज की जांच कराने पहुंचे. विवि प्रबंधन की ओर से बनाई गई जांच समिति ने डिप्टी सीएम और उनकी पत्नी के शैक्षिक दस्तावेज की जांच की. इसके बाद डिप्टी सीएम चले गए. गौरतलब है कि डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में और उनकी पत्नी व्यवहारिक अर्थशास्त्र विभाग में प्रोफेसर हैं. प्रवक्ता दुर्गेश कुमार ने बताया कि पहले दिन वाणिज्य, ललित कला, विज्ञान और कला संकाय के शिक्षकों के शैक्षिक दस्तावेज की जांच समिति ने की.

DAINIK JAGRAN PAGE 5

लविवि : वेबोमेट्रिक्स रैंकिंग में देश में 88वां स्थान

जासं, लखनऊ : लविवि ने वेबोमेट्रिक्स रैंकिंग में 88वां स्थान हासिल किया है। बीते छह माह में विवि तीन पायदान चढ़ा है। जनवरी में 91 स्थान पर था। कोरोना काल के दौरान भी लविवि लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन ऑनलाइन कर रहा है।

विषयों, शोध पर कॉन्फ्रेंस आयोजित किए। विद्यार्थियों की समस्याओं, मार्गदर्शन के लिए ऑनलाइन काउंसिलिंग शुरू की। हाल ही में लविवि के महिला अध्ययन संस्थान द्वारा सात दिन का अंतरराष्ट्रीय वेब-टॉक शो आयोजित किया। ये सारी गतिविधियां विश्वविद्यालय प्रबंधन अपनी वेबसाइट पर भी अपडेट करता रहा, जिससे दुनिया भर के विश्वविद्यालयों के बीच वेब के माध्यम से चर्चा में रहा। हर छह माह में विवि की गुणवत्ता का आंकलन कर रैंकिंग जारी की जाती है। इस रैंकिंग के लिए विवि की गुणवत्ता की गणना वेब पेजेज और फाइल के आधार पर की जाती है।

AMRIT VICHAR PAGE 2

डिप्टी सीएम ने चेक कराए दस्तावेज

पत्नी संग डॉ. दिनेश शर्मा पहुंचे लविवि, कुलपति से की मुलाकात

अमृत विचार लखनऊ

बेसिक माध्यमिक की तर्ज पर उच्च शिक्षा विभाग में भी तैनात शिक्षकों के दस्तावेजों की जांच शुरू हो चुकी है। इसी क्रम में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा व उनकी पत्नी प्रो. जय लक्ष्मी शर्मा ने भी बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यायल पहुंचकर अपने शैक्षिक दस्तावेज चेक करने के लिए जमा कराये। उप मुख्यमंत्री ने कुलपति प्रो. आलोक राय से मुलाकात की। उप मुख्यमंत्री लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में प्रोफेसर हैं जबकि उनकी पत्नी व्यवहारिक अर्थशास्त्र विभाग विभाग में प्रोफेसर हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय पहुंचे उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा का कुलपति प्रो. आलोक राय ने सम्मान किया।

इस दौरान कुलपति ने बताया कि उप मुख्यमंत्री ने अपने शैक्षिक दस्तावेज जमा कराये हैं। कुलपति ने बताया कि उनकी पत्नी प्रो. जय लक्ष्मी शर्मा ने भी अपने शैक्षिक दस्तावेज जमा किए हैं।

विश्वविद्यालय में 350 शिक्षकों के दस्तावेजों की होनी है जांच: बता दें कि विश्वविद्यालय में 350 शिक्षक व प्रोफेसर है, जिनके शैक्षिक दस्तावेजों की जांच उच्च मुख्यमंत्री के निर्देश पर हो रही है। प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि पहले दिन वाणिज्य, ललित कला, विज्ञान और कला संकाए के शिक्षकों के शैक्षिक दस्तावेजों की जांच की समिति ने की। सभी शिक्षकों के दस्तावेजों की जांच उनके विभाग में ही की गई। विवि में करीब 350 शिक्षक हैं।

जांच समिति ने जांचे अभिलेख

विवि प्रबंधन की ओर से बनायी गठित जांच समिति डिप्टी सीएम और उनकी पत्नी के दस्तावेजों की जांच जांच की। दस्तावेजों की जांच के बाद डिप्टी सीएम चले गए। बता दें, डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में और उनकी पत्नी व्यवहारिक अर्थशास्त्र विभाग विभाग में प्रोफेसर हैं।

TOI PAGE 1 and 2

LU, National PG College get max applications in 10 years

Mohita.Tewari
@timesgroup.com

Lucknow: LU and its only autonomous college—National PG College—have broken their own records by receiving the highest number of application forms in a decade. Two colleges for girls—Isabella Thoburn College and Avadh Girls' Degree College—have also received a higher number of forms in comparison to previous years.

With a large number of students unable to take admissions in other cities in the wake of Covid pandemic, Lucknow University and its three leading associated colleges have come up as the top choice for them. According to authorities, the pandemic has brought about a change in the thinking of students who are in a hurry to take admission in the best available college in the city.

The number of forms is expected to spike further as the last date of filling them for all four institutes is not yet over.

▶No. to spike further, P 2

With a few days left for last date, no. of forms is expected to spike further

▶Continued from P 1

LU and its only autonomous college—National PG College—have broken their own records by receiving the highest number of application forms in a decade. Two colleges for girls—Isabella Thoburn College and Avadh Girls' Degree College—have also received a higher number of forms in comparison to previous years.

The number of forms is expected to spike further as the last date of filling them for all four institutes is not yet over.

"Lucknow University has become the first choice of students in the city and the state. The university has received around 50,000 applications for its various undergraduate and postgraduate courses so far," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

According to Srivastava, students have a great option in LU and need not leave for other cities during a pandemic. The university has come up with the choice-based credit system, complete online application process, and has given a digital push to studies through video conferencing and YouTube channels, he said.

Admission coordinator at National PG College Rakesh Jain said, "The last date for application to various courses in our college is August 15 and we have already crossed 10,500 application forms—the highest in a decade. We are expecting that the number will swell as students are in a hurry to get a seat in the best college in the city."

"There is no certainty when the pandemic situation will improve. Students don't want to take a risk of going miles away from home hence the best institutes in the city are flooded with application forms," said principal of Avadh Girls' Degree College Upma Chaturvedi.

"We have received an all-time high number of forms—around 900—in comparison to last five years," she said.

IT College principal Vinita Prakash said, "Our last date for applications is August 7 and we have already received around 2,000 forms. The number of applications will further go up, breaking the previous highest number."

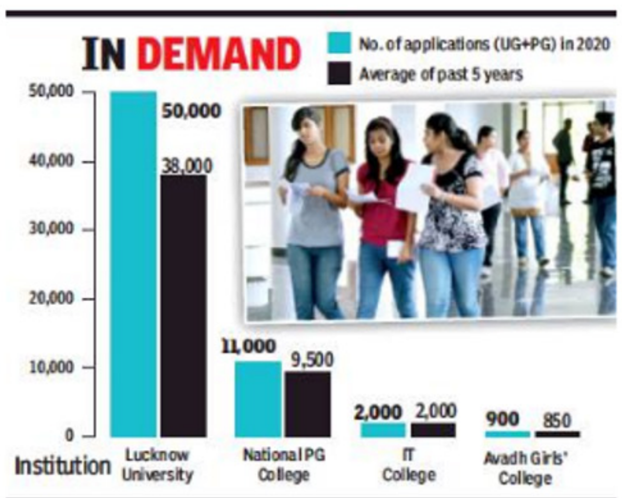

Send scanned docus to AGDC via mail

Students who have applied for admission to BA and BCom courses at Avadh Girls' Degree College (AGDC) will have to send scanned copies of their documents via mail between August 5 and 10. Candidates can mail the documents to agdcbamarksheet@gmail.com and agdcbcommarksheet@gmail.com. Candidates are required to send their class X, XII marksheets, pass certificates, character certificate, transfer certificate, caste certificate and an affidavit in case of a gap year. The documents should be scanned from original ones and should be attached in a single email along with the candidate's name and form number.

MISSION ADMISSION
BENNETT UNIVERSITY
TIMES OF INDIA GROUP

HINDUSTAN PAGE 12

नई शिक्षा नीति के बाद विश्वविद्यालय करेगा यह पहल

एलयू: 4 वर्ष का स्नातक पाठ्यक्रम शुरू होगा

मंथन

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में अब चार वर्ष का स्नातक पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा। केन्द्र सरकार की नई शिक्षा नीति घोषित होने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन के स्तर पर इस संबंध में मंथन शुरू कर दिया गया है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि इस तरह से पाठ्यक्रम से छात्रों को बेहतर ढंग से आगे बढ़ने का मौका मिलेगा।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय पहले ही परास्नातक स्तर पर काफी बड़े सुधार कर चुका है। इसमें च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम को बेहतर ढंग से लागू करना अहम है। अब स्नातक स्तर पर सुधार की शुरुआत की जा रही है। इस संबंध में जल्द ही एक प्रस्ताव भी तैयार किया जाएगा।

कुलपति ने बताया कि स्नातक में ऑनर्स पाठ्यक्रमों की संख्या को बढ़ाने से लेकर चार वर्ष के स्नातक पाठ्यक्रम पर काम शुरू कर दिया गया है।

इस बार रिकॉर्ड आवेदन : इस बार विश्वविद्यालय में रिकॉर्ड आवेदन आए हैं। स्नातक में 50 हजार से ज्यादा अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। जबकि सीट की संख्या करीब 35 सौ है। ऐसे में यहां प्रवेश के लिए कड़े मुकाबले से गुजरना होगा।

आवेदन तिथि नहीं बढ़ेगी, दाखिले मेरिट से

लविवि में प्रवेश के लिए आवेदन की अन्तिम तिथि 31 जुलाई है। विवि प्रशासन ने साफ किया है कि अब आवेदन की तिथि नहीं बढ़ेगी। ऐसे में जो अभ्यर्थी छूट गए हैं वह तत्काल आवेदन कर सकते हैं। वहीं स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले मेरिट के आधार पर होंगे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि विश्वविद्यालय में आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की संख्या काफी अधिक है। कोरोना संक्रमण काल में सभी की सुरक्षा देखते हुए इस बार प्रवेश की प्रक्रिया में बदलाव किया जा रहा है। प्रो. राय ने बताया कि स्नातक के अभ्यर्थियों को उनके दस्तावेज अपलोड करने के लिए समय दिया जाएगा। उम्मीद जताई जा रही है कि चार अगस्त तक इसके संबंध में आदेश जारी कर दिए जाएंगे।

PIONEER PAGE 3

उपमुख्यमंत्री भी दस्तावेजों का सत्यापन कराने पहुंचे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में अनामिका शुक्ला का प्रकरण सामने आने के बाद प्राइमरी से लेकर विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के चल रहे सत्यापन की प्रक्रिया में शामिल होने के लिए बुधवार को उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा भी लखनऊ विश्वविद्यालय पहुंचे। विश्वविद्यालय पहुंचने के बाद कॉमर्स संकाय में उन्होंने अपने समस्त शैक्षिक दस्तावेज के साथ ही नियुक्ति संबंधित दस्तावेज की प्रति जांच अधिकारी को सौंपा। तरकरीबन एक घंटे के बाद उपमुख्यमंत्री वापस लौट आये। जबकि विश्वविद्यालय में सत्यापन की प्रक्रिया देर शाम तक जारी रही।

उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा सुबह 10 बजे के आसपास कॉमर्स संकाय पहुंचे। वहां पहुंच कर उन्होंने जांच अधिकारी के रूप में उपस्थित दीन दयाल उपाध्याय राज्यकीय महाविद्यालय के शिक्षक डॉ पवन मौर्य, डॉ शीलधर दुबे, डॉ सौरभ सिंह और महाराजा बिजली पासी राजकीय डिग्री कॉलेज के डॉ राघवेंद्र मिश्रा को अपने समस्त शैक्षिक एवं नियुक्ति से संबंधित दस्तावेज सौंपे। उपमुख्यमंत्री के पहुंचने के बाद कुछ देर तक जांच अधिकारी असहज नजर आए। लेकिन उपमुख्यमंत्री के द्वारा जांच अधिकारी के रूप में कार्य किये जाने की बात कही जाने के बाद जांच अधिकारियों ने राहत की सांस ली। इस बीच विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक रॉय भी कॉमर्स संकाय पहुंचे और उन्होंने उपमुख्यमंत्री को फूल देकर स्वागत किया। तकरीबन एक घंटे के बाद उपमुख्यमंत्री वापस लौट आये। वहीं पूरे दिन विश्वविद्यालय के अलग अलग संकायों में विभागवार सत्यापन की प्रक्रिया चलती रही।